COTTON TEXTILE INDUSTRY

सूती वस्त्र उद्योग

LECTURE 4

डा. निसार अहमद

भूगोल बिभाग
राम चरित्र सिंह कॉलेज

Mobile No. : 9258408868
Email address: ahmednisaramu@gmail.com

विश्व में सूत तथा सूती वस्त्रों का उत्पादन एवं वितरण

यद्यपि कुटीर उद्योग के रूप में सूती धागा तथा सूती वस्त्रों का निर्माण लगभग सभी उष्ण एवं उपोष्ण कटिबंधीय देशों में किया जाता है तथा मशीनों द्वारा बड़े उद्योग के रूप में यह उद्योग 40-50 देशों में ही प्रचलित है। इस समय यह चीन, भारत, रूस, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि प्रमुख उत्पादक देश है।

चीन

कुटीर उद्योग के रूप में चीन में सूती वस्त्र का उत्पादन प्राचीन काल से चला आ रहा है। चीन में पहला आधुनिक कारखाना सन् 1890 में स्थापित हो गया था, परंतु वास्तविक विकास सन् 1894 में चीन-जापान युद्ध की संधि के बाद ही शुरू हुआ। 1914-22 कि अवधि में अधिकांश उद्योग जापानियों के अधिकार में था। 1920 तक शंघाई बहुत बड़ा केंद्र हो गया था जहां देश के 80% तकुए थे।

1920-30 के दशक में इस उद्योग का विकेंद्रीकरण शुरू हुआ परंतु सन 1949 तक चील के आधे तकुए शंघाई में स्थित थे।1949 के बाद कम्युनिस्ट प्रशासन के प्रारंभिक काल में बहुत सी पूंजी तथा मशीनें हांगकांग चली गई। 1950 के बाद चीन के सूती वस्त्र उद्योग में तीव्र गति से प्रगति हुई और 1960 तक चीन में तकुए की संख्या तत्कालीन सोवियत संघ से अधिक हो गई। 1965-66 में चीन विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक हो गया।इस समय बेचैन विश्व का लगभग पांचवां भाग सूत तथा वस्त्र तैयार करके विश्व में प्रथम स्थान पर है। चीन में सूती वस्त्र उद्योग की प्रगति के निम्नलिखित कारण है:-

1.चीन विश्व का सबसे बड़ा कपास का उत्पादक है और इस समय विश्व की एक तिहाई से भी अधिक कपास पैदा करता है। क्योंकि इस उद्योग के लिए कच्चा माल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध की आवश्यकता होती है।

2.चीन में कोयले के विस्तृत भंडार हैं जिससे कपड़ा मिलों को प्रचुर मात्रा में चालक शक्ति प्राप्त हो जाती है। ह्वागं-हो, यांग्टूसी आदि नदियों से जल विद्युत शक्ति भी प्राप्त हो जाती है।

3.चीन घनी जनसंख्या वाला देश है जिससे श्रम प्रचुर मात्रा में मिल जाते हैं। इससे सस्ते वस्त्रों की घरेलू मांग भी बढ़ती है।

4.चीन में वस्त्र उद्योग प्राचीन काल से चला आ रहा है। इससे इसे पूर्वाआरंभ का लाभ मिलता है और कुशल तथा अर्ध कुशल कारीगर बड़ी मात्रा में उपलब्ध हो जाते हैं।

TO BE CONTINUED…